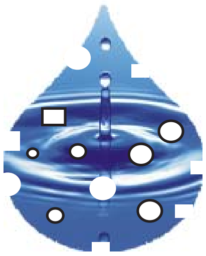

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग

पानी की जितनी मात्रा, हमारे काम में आती है तो उसमें से लगभग 80 प्रतिशत पानी वेस्ट वाटर बन जाता है। जिसे हम आज व्यर्थ बहा रहे हैं।

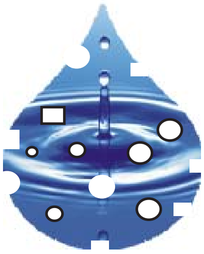

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग द्वारा कुल वेस्ट वाटर का 40 प्रतिशत पानी इस लायक बनाया जा सकता है कि वह हमारे उपयोग में आ सके, जैसे कि बाग–बगीचों में, कार–फर्श साफ करने, कूलर इत्यादि।

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग किसे कहते हैं?

एक बार
काम में लेने के बाद,
कुल पानी का 80 प्रतिशत पानी
वेस्ट वाटर बन जाता है। इस पानी
को उपयुक्त तरीकों से साफ करने पर
कुल पानी का 30–40 प्रतिशत पुनः उपयोग
लायक बनाया जा सकता है। इस कार्य को
प्रकृति स्वयं भी करती आई है। अब इसे
आधुनिक विज्ञान एवं आसान तरीकों
से कृत्रिम तौर पर भी किया जा
सकता है। इसे ही वेस्ट
वाटर रिसाइक्लिंग
कहते हैं।

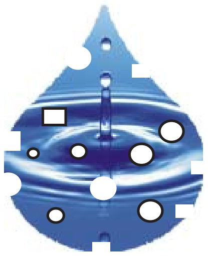

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग करना क्यों जरूरी है?

फ्रेश वाटर की उपलब्धता सीमित है। कुछ कार्यों के लिए जैसे कि बाग–बगीचों, कार–फर्श साफ करने, कूलर इत्यादि में जो फ्रेश वाटर काम में लिया जा रहा है उसे रिसाइकिल वाटर से पूरा किया जा सकता है। इस प्रकार हम अपने फ्रेश वाटर की खपत को कम कर सकते हैं।

वेस्ट वाटर रिसाइक्लिंग कैसे करें?

जहाँ भी पानी काम में लिया जाता है वहीं वेस्ट वाटर बनता है। इसी स्थान पर मिलने वाले वेस्ट वाटर की प्रकृति के अनुसार उसकी रिसाइक्लिंग का सिस्टम बनाया जाना चाहिए। एक मोटे अनुमान के अनुसार प्रतिदिन 500 लीटर वेस्ट वाटर की रिसाइक्लिंग के लिए लगभग 8–10 वर्गफुट जगह, 5000–8000 रूपये का पूँजी निवेश तथा प्रतिदिन 5–10 मिनट का समय देने पर 300–400 लीटर रिसाइकिल वाटर प्राप्त किया जा सकता है।

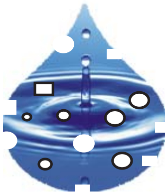

वेस्ट पानी का रिसाइक्लिंग के द्वारा पुनः इस्तेमाल किया जा सकता है।

- उदाहरण के लिये रसोई का पानी बागवानी,नहाने के काम में लिया जा सकता है और कपड़े धोने का पानी पोछा लगाने, कार धोन एवं शौचालय में इस्तमाल किया जा सकता है।
- एक औसत धर में जहाँ प्रति व्यक्ति लगभग 140 लीटर पानी इस्तमाल होता है वही लगभग 100 लीटर अशुद्व पानी बचता है।
- इस प्रकार का समाज में पानी की कमी दूर करने का यह प्रमुख स्त्रोत हो सकता है।
- मोरारका फाउन्डेशन मे किय गये प्रयासो के परिणाम स्वरूप वेस्ट पानी मनचाहे तक शुद्व किया जा सकता है।
- अशुद्व पानी के इस्तमाल से सब्जियां उगाने से हानिकारक बिमारियां उत्पन्न होने का खतरा बना रहता है।
- रिसाइक्लिंग के लिये सबसे पहले समस्त स्त्रोतों से उपलब्ध अशुद्व जल का अनुमान लगाया जाता है।
- तत्पश्चात पानी का प्रयोगशाला मे टेस्ट किया जाता है।
- उसके बाद जरूरत के मुताबिक रिसाइक्लिंग के लिये सिस्टम तैयार किया जाता है।

...
सार्वजनिक मैदान,
खेल के मैदान, स्टेडियम,
हवाई अडडा, रेलवे स्टेशन
मन्दिरो, स्कूलो के मैदान, इन्यादि
को वर्षा के पानी को रिचार्ज के लिये
इस्तमाल किया जा सकता है। स्तर बढाने
के लिये घरों, मकानों एवं सड़कों का पानी
अलग–अलग माध्यमों से इनमें डाला
जा सकता है। तृतीय विश्व युद्ध
पानी के लिये होने की
आशंका है।

21वीं शताब्दी में जल उतना ही महत्वपूर्ण
है जितना 20 वी सदी मे तेल था।

जल ही जीवन है।